

सूक्ष्म प्रबंध योजना निर्माण हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक 19/08/2026 से 21/08/2026 तक

मध्यप्रदेश राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में तीन दिवसीय 19/08/2026 से 21/08/2026 तक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम दिवस में मध्यप्रदेश राज्य वन अनुसंधान संस्थान के संचालक श्री प्रदीप वासुदेवा^{भा.व.से.} के द्वारा उद्घाटन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रायोजक अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (सं.व.प्र.) म.प्र. भोपाल है। प्रशिक्षण में विषय विशेषज्ञों के द्वारा सूक्ष्म प्रबंध योजना से संबंधित विभिन्न विषयों पर PPT के माध्यम से जानकारी प्रदान की गयी। इसके उपरान्त दिनांक 20 अगस्त 2026 को प्रशिक्षणार्थियों ने कालपी वन परिक्षेत्र के "ग्राम कालपी" में सहभागी ग्रामीण समीक्षा बैठक (PRA) का प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस अवसर पर वनपरिक्षेत्र कालपी के अधिकारी एवं कर्मचारी ने प्रशिक्षणार्थियों को उत्कृष्ट सहयोग, प्रभावी समन्वय एवं आवश्यक व्यवस्थाएँ प्रदान की गयी। विषय विशेषज्ञ श्री आर. बी. शर्मा (सेवानिवृत्त मुख्य वन संरक्षक), श्री एल. एन.एस. कुशवाहा (सेवानिवृत्त ए.सी.एफ.) एवं श्री अभिषेक शर्मा के मार्गदर्शन में ग्रामीणों के साथ नजरी नक्शा, संसाधन चित्रण एवं समय चित्रण जैसी गतिविधियाँ कराई गईं।

इस अवसर पर श्री आर. बी. शर्मा ने वन प्रबंधन में लैंडस्केप एप्रोच की उपयोगिता एवं इसके विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि माइक्रोप्लान केवल वन विकास से संबंधित दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह ग्राम स्तर पर सामाजिक एवं आर्थिक विकास को गति देने का एक प्रभावी माध्यम भी है। साथ ही, उन्होंने वन समितियों के अभिलेखों का व्यवस्थित संधारण, कार्यों में पारदर्शिता, नियमित वार्षिक ऑडिट तथा ग्रामवासियों की सक्रिय सहभागिता को सुदृढ़ वन प्रबंधन की महत्वपूर्ण आधारशिला बताया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रतिभागियों ने माइक्रोप्लान तैयार करने के दौरान आने वाली विभिन्न जटिलताओं एवं व्यावहारिक समस्याओं पर विषय विशेषज्ञों के साथ विस्तृत चर्चा की तथा अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त किया। समापन अवसर पर संस्थान के संचालक श्री प्रदीप वासुदेवा (भा.व.से.) द्वारा प्रशिक्षण में शामिल पश्चिम मंडला, सीधी, रतलाम, टीकमगढ़, बड़वाह एवं गुना वन मंडलों के वन परिक्षेत्र अधिकारियों, वनपालों एवं वनरक्षकों सहित कुल 28 प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। प्रशिक्षण की विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट एवं सक्रिय सहभागिता के आधार पर विषय विशेषज्ञों एवं प्रभागीय अधिकारियों द्वारा प्रतिभागियों का समग्र मूल्यांकन किया गया। इस मूल्यांकन में बड़वाह वनमंडल को प्रथम, गुना वनमंडल को द्वितीय तथा रतलाम वनमंडल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वनमंडलों को संचालक महोदय द्वारा स्मृति चिन्ह, मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।





जनभागीदारी से वन संरक्षण को मिलेगा आयाम

नई दुनिया प्रतिनिधि, जबलपुर। मध्य प्रदेश राज्य वन अनुसंधान संस्थान में सूक्ष्म प्रबंध योजना (माइक्रोप्लान) निर्माण विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने बताया कि वन संरक्षण और संसाधनों के सतत विकास के लिए स्थानीय समुदायों को सक्रिय भागीदारी बेहद जरूरी है। प्रशिक्षण के दूसरे दिन प्रतिभागियों को कालपी वन परिक्षेत्र के ग्राम कालपी में सहभागी ग्राहण समीक्षा की व्यावहारिक प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया गया। विशेषज्ञ आरबी शर्मा, सेवानिवृत्त मुख्य वन संरक्षक, एलएनएस कुरावाहा, सेवानिवृत्त एसोसिएट तथा अभियंता शर्मा के मार्गदर्शन में ग्रामीणों की सहभागिता से नजरी नक्शा, संसाधन चित्रण, समय चित्रण सहित विभिन्न गतिविधियां कराई गईं। ग्रामीणों से खेपे संबद्ध के माध्यम से स्थानीय संसाधनों, समस्याओं और



कार्यक्रम में उपस्थित संस्थान के सदस्य व अतिथि। • तैय्यब तंरगाव

संभावनाओं को समझने की प्रक्रिया पर भी प्रतिभागियों को व्यावहारिक जानकारी दी गई।

वन संरक्षण व प्रबंधन को प्रभावी बनाने जनभागीदारी आवश्यक। मुख्य विषय विशेषज्ञ आरबी शर्मा ने कहा कि वन संरक्षण एवं प्रबंधन को प्रभावी बनाने के लिए जनभागीदारी आवश्यक है। बिगड़े हुए वन क्षेत्रों को बेहतर और समृद्ध बनाने

में परिवर्तित करने में स्थानीय समुदाय महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस अवसर पर सुख कुमार शेट्टेकरसे, एसएस रघुवंशी, डा. डीके कुलदीप, प्रियंका वर्मा, सोनल चतुर्वेदी, सत्यम सक्सेना, हिमांशु कुरावाहा, अजय लक्ष्मिकर, विनोद मेहरा, डा. दीपा प्रधान एवं अभियंता सोनी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

वन संरक्षण के लिए जनसहभागिता सहित माइक्रोप्लान है जरूरी

भाससे, जबलपुर। मध्य प्रदेश राज्य वन अनुसंधान संस्थान में 19 से 21 अगस्त 2026 तक सूक्ष्म प्रबंध योजना (माइक्रोप्लान) निर्माण पर तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य क्षेत्रीय वन अधिकारियों और कर्मचारियों को डेटा संग्रहण और सहभागी ग्रामीण समीक्षा तकनीकों में दक्ष बनाना था। कार्यक्रम के तहत प्रतिभागियों ने कालपी वन परिक्षेत्र में ग्राम स्तर पर नजरी नक्शा, संसाधन चित्रण और समय चित्रण जैसी गतिविधियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। समापन समारोह में संस्थान के संचालक प्रदीप वासुदेवा (भा.व.से.) ने विभिन्न वन मंडलों से आए 28 प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। आयोजन में संस्थान के एसएस रघुवंशी, डॉ. डीके कुलदीप, प्रियंका वर्मा, सोनल चतुर्वेदी, सत्यम सक्सेना, हिमांशु कुरावाहा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल रहे। पी-5

नई दुनिया समाचार पत्र दिनांक 22/08/2026

दैनिक भास्कर समाचार पत्र
दिनांक 20/08/2026